कलकत्ता चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया

कोलकाता @ पत्रिका. कलकत्ता चैम्बर ऑफ कॉमर्स ने 'भारत-अमरीका व्यापार समझौता 2026 एवं अन्य मुक्त व्यापार समझौतेः अवसर और रणनीतिक परिदृश्य'' विषय पर विचार-विमर्श सत्र का आयोजन किया। इस अवसर पर पश्चिम बंगाल सरकार के सहकारिता विभाग तथा सिंचाई एवं जलमार्ग विभाग के अतिरिक्त मुख्य सचिव, डॉ. कृष्णा गुप्ता एवं भारत सरकार के वाणिज्य एवं उद्योग मंत्रालय के पूर्व अतिरिक्त डीजीएफटी और पूर्व जोनल डेवलपमेंट कमिश्नर, संजीव नंदवानी ने नव घोषित भारत-अमेरिका अंतरिम व्यापार समझौते तथा भारत की व्यापक एफटीए नीति के प्रभावों का विश्लेषण किया।

कार्यक्रम में मौजूद अतिथि।

अध्यक्ष अनंत साहारिया ने कहा, 'भारत और अमेरिका की यह पहल भरोसेमंद और मजबूत सप्लाई चेन के निर्माण के प्रति दीर्घकालिक प्रतिबद्धता को दर्शाती है। इससे 'मेक इन इंडिया' को बल मिलेगा, युवाओं के लिए रोजगार के अवसर बढ़ेंगे और एमएसएमई क्षेत्र को प्रोत्साहन मिलेगा।

भारत-यूरोपीय संघ समझौता विश्व के सबसे बड़े और उन्नत बाजारों में प्रवेश का मार्ग खोलता है तथा भारत की वैश्विक आर्थिक भागीदारी को सशक्त करता है।' डॉ. कृष्णा गुप्ता ने बताया कि यह अंतरिम समझौता लगभग 30 ट्रिलियन अमेरिकी डॉलर के विशाल बाजार में भारत को वरीयता आधारित पहुंच प्रदान करता है।

इससे वस्त्र, चमड़ा, रत्न एवं आभूषण जैसे श्रम-प्रधान क्षेत्रों को विशेष लाभ मिलेगा। साथ ही, मसाले, चाय और प्रोसेस्ड फूड सहित 1 अरब डॉलर से अधिक के कृषि निर्यात पर शून्य शुल्क की सुविधा मिलेगी, जबकि डेयरी और पोल्ट्री जैसे संवेदनशील क्षेत्रों की सुरक्षा भी सुनिश्चित की गई है। वरिष्ठ उपाध्यक्ष अनुराग झुनझुनवाला ने धन्यवाद ज्ञापन दिया।